

14/02/25

प्राप्त की प्रतीति वकील वादी को प्रतिवादीगण
की लक्ष्यी करवाने हेतु बार-बार उपचार
दिया गया है किन्तु वादी की शीर्ष से
प्रतिवादीगण की लक्ष्यी करवाने का उ
की प्रयास प्राप्त की पर प्रतीति नहीं किया गया
है अतः वादी का वाद में लक्ष्यी करवाने
को न्याय में उपरिष्ठ किया जाता है प्राप्त की
प्रतिवादीगण के अन्तर्गत से काम की जाकर
दखिल होकर है।

Legendre